सेवा में,

कुलपति,
कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय,
कुरुक्षेत्र।

विषय : 2006 के बाद नियुक्त शिक्षकों के प्रमोशन सम्बन्धी।

श्री मान जी,

सादर निवेदन है कि सरकारी सहायता प्राप्त कॉलेजों में 2006 के बाद नियुक्त शिक्षकों के प्रमोशन के केस काफी देर से रुके हुए हैं। हम पिछले कई महीनों से कॉलेज ब्रांच को इसके लिए मौखिक निवेदन कर रहे हैं लेकिन कोई कार्यवाही नहीं हो रही। जबकि जानकार बता रहे हैं कि जून 2013 तक A:PI स्कोर के बिना ही AGP 6000 से AGP 7000 में प्रमोशन होनी है। इस तरह के केसों को तुरन्त मंगवाकर निपटाया जाए। बाकी केसों के बारे में भी तेजी से कार्यवाही की जाए।

सधन्यवाद।

भवदीय

(डॉ. रविन्द्र गासो)

सेवा में,

कुलपति,
कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय,
कुरुक्षेत्र।

विषय : कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय कुरुक्षेत्र में कॉलेजों से सम्बन्धित कमेटियों में कॉलेज-शिक्षकों का प्रतिनिधित्व।

श्री मान जी,

सादर निवेदन है कि कॉलेजों की गवर्निंग बॉडी में शिक्षकों का प्रतिनिधित्व बढ़ाने सम्बन्धी कमेटी में आपने डॉ. राजवीर पाराशर (पूर्व अध्यक्ष, एच सी टी ए) के स्थान पर वर्तमान अध्यक्ष डॉ नरेन्द्र चहर को रखा है। लेकिन उनका कॉलेज (वैश्य कॉलेज, भिवानी) रोहतक विश्वविद्यालय से सम्बद्ध है। कु.वि. से सम्बन्धित किसी भी कमेटी/मुद्दे पर डॉ. रविन्द्र गासो ही एच सी टी ए की ओर से अधिकृत हैं। इसलिए डॉ नरेन्द्र चाहर के स्थान पर डॉ रविन्द्र गासो को उस कमेटी या अन्य किसी भी कमेटी/मुद्दे पर हरियाणा कॉलेज टीचर्स एसोसिएशन की ओर से बुलाया जाए। इस बारे में आपसे इससे पहले मिलकर भी मौखिक निवेदन किया था।

एक निवेदन यह भी कि कमेटी बनाते हुए कॉलेज शिक्षकों को बराबर का प्रतिनिधित्व दिया जाए।

सधन्यवाद।

भवदीय

(डॉ. रविन्द्र गासो)

सेवा में,

कुलपति,
कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय,
कुरुक्षेत्र।

विषय : कॉलेज शिक्षकों की चिर-लम्बित समस्याएं/मांगें।

श्री मान जी,

सादर निवेदन है कि अपने पिछले ज्ञापनों में हरियाणा कॉलेज टीचर्स एसोसिएशन ने शिक्षा व शिक्षकों से जुड़े अनेक मुद्दों पर आ रही समस्याओं के प्रति आपसे निवेदन किया था।

कुछेक पर कार्यवाही हुई है - इसके लिए आपके प्रति आभार प्रकट करते हैं।

लेकिन हमारी न्यायोचित चिर लम्बित मांगो की लिस्ट कॉफी लम्बी है। आशा है कि आप इन पर तत्काल कार्यवाही सुनिश्चित करेंगे। इनमें से कई मांगे तो वर्षों से लम्बित हैं।

1. शिक्षकों के प्रमोशन के केस तुरन्त निपटाए जायें। इसके लिए अलग से भी ज्ञापन दिया जा रहा है।
2. पीएच.-डी. सम्बन्धी तीन मांगे :-
   क. स्थाई कॉलेज व विश्वविद्यालय शिक्षकों को पीएच.-डी प्रवेश के लिए पृथक (अलग) प्रवेश-परीक्षा का प्रावधान किया जाये।
   ख. स्थाई कॉलेज व विश्वविद्यालय शिक्षकों के लिए प्रत्येक विभाग में पृथक सीटों का प्रावधान किया जाये।
   ग. स्थाई कॉलेज शिक्षकों को पीएच.-डी गाईड बनने की स्वीकृति दी जाये। इसमें हमारा निवेदन है कि गुणात्मकता से कोई भी समझौता न हो।
3. कॉलेजों की गावर्निंग बाडी में शिक्षकों का प्रतिनिधित्व दोगुना किया जाये।

4. कॉलेजों की गवर्निंग बॉडी में कुलपति-प्रतिनिधि कॉलेजों के वरिष्ठ शिक्षकों को लगाया जाये।

5. कॉलेजों में निरीक्षण, चयन समितियों आदि में कॉलेज शिक्षकों को विश्वविद्यालय शिक्षकों के बराबर प्रतिनिधित्व दिया जाये। इस मामले में आपने पहलकर्मी की है- इसका हम जोरदार स्वागत करते हैं।

6. सम्बद्ध कॉलेज शिक्षकों की विषयानुसार वरिष्ठता-सूचि तैयार की जाये। अगर यह लिस्ट पहले से तैयार है तो उसे सार्वजनिक किया जाए। बोर्ड-ऑफ-स्ट्डीज (BOS) में कॉलेज शिक्षकों की नियुक्ति सम्बन्धी प्रक्रिया और वरिष्ठता सूचि को भी अविलम्ब सार्वजनिक किया जाये।

7. स्नातक (UG) व स्नातकोत्तर (PG) बोर्ड-ऑफ-स्ट्डीज के ढांचों का विद्यार्थी केन्द्रित पुनर्गठन किया जाये और इनमें कॉलेज शिक्षकों का अनुपात बढ़ाया जाये।

8. जिस आधार पर विश्वविद्यालय कोर्ट से एक कॉलेज शिक्षक विश्वविद्यालय कार्यकारिणी-परिषद (E.C.) में चुनकर जाता है। उसी आधार पर हमारी मांग है कि विश्वविद्यालय अकादमिक परिषद से एक कॉलेज शिक्षक द्वारा विश्वविद्यालय कार्यकारिणी परिषद (E.C.) में प्रतिनिधित्व करने का प्रावधान किया जाये।

9. हरियाणा कॉलेज टीचर्स एसोसिएशन प्रदेश के 96 सरकारी सहायता प्राप्त कॉलेजों के शिक्षकों का प्रतिनिधित्व करती है। विश्वविद्यालय की वैधानिक संस्थाओं ; कोर्ट, ए.सी.,ई.सी. में कॉलेज शिक्षकों का प्रतिनिधित्व तो है लेकिन हर बार हमें एसोसिएशन का दृष्टिकोण विभिन्न मुद्दों पर प्रशासन को बताना पड़ता है और कई बार इन संस्थाओं के किन्हीं निर्णयों पर बाद में एसोसिएशन गंभीर आपत्तियां भी उठाती हैं। हमारा निवेदन यह है कि इन तीनों वैधानिक संस्थाओं में हमारी एसोसिएशन से प्रधान या महासचिव में से किसी एक को मनोनीत करने का प्रावधान किया जाये।

10. कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय कैम्पस में हरियाणा कॉलेज टीचर्स एसोसिएशन का कार्यालय स्थापित किया जाये। हमें कैम्पस में मीटिंग करने और प्रतिदिन कॉलेज शिक्षकों के कैम्पस में आवागमन के समय इसकी जरूरत महसूस होती है। हरियाणा गवर्नमेंट कॉलेज टीचर्स एसोसिएशन के साथ हमें संयुक्त कार्यालय में भी कोई आपत्ति नहीं।

11. परीक्षाओं सम्बन्धी मांगें :

क. परीक्षा-तंत्र में बदलाव के लिए विशेषज्ञ-समिति का गठन किया जाये। जो सभी सम्बन्धित से गहन विचार चर्चा करें। समिति के अधिकार, क्षेत्र व समय सीमा निर्धारित हो।

ख. परीक्षा-ड्यूटी व मूल्यांकन-केन्द्रों के लिए शिक्षकों से बाकायदा पहले विकल्प लिए जाये जहां तक सम्भव हो शिक्षकों की ड्यूटी उन्हीं के कॉलेजों में न लगाई जाए और पार्ट टाईमर्स की डयूटी भी कम से कम लगाई जाए और अगर लगानी भी पड़े तो उन्हें दूसरे कॉलेजों में भेजा जाये। एडिड कॉलेज शिक्षकों की ड्यूटी प्रोफैशनल सैल्फ फाईनेंस कॉलेजों में बिल्कुल प्रतिबन्धित की जाये।

ग. प्रश्न पत्र बनाने पर मानदेय का भुगतान नगद या 15 दिन के अन्दर-अन्दर किया जाए।

घ. रिजल्ट और संचालन शाखा में बेहतर आपसी तालमेल की व्यवस्था की जाये ताकि बेहतर परीक्षा संचालन हो सके।

च. परीक्षा सम्बन्धी किसी भी मानदेय का भुगतान दो महीने के अन्दर-अन्दर सुनिश्चित किया जाये।

छ. प्रेक्टिकल परीक्षाओं को गम्भीरता से आयोजित किया जाये।

ज. तीसरे व पांचवे सैमेस्टर में प्रवेश के लिए पिछले सैमेस्टरों के आधे पेपर पास होने अनिवार्य किए जाए।

झ. परीक्षा केन्द्रों पर पर्याप्त अग्रिम राशि भेजी जाये ताकि सभी को मानदेय का तुरन्त भुगतान किया जा सके। कई केन्द्रों पर साल-साल भर भुगतान बकाया रहता है।

12. विश्वविद्यालय कला परिषद का पुनर्गठन किया जाये। इसे और अधिक लोकतान्त्रिक, सृजनात्मक, विद्यार्थी केन्द्रित बनाने की मजबूत व्यवस्था बनाई जाये।

13. कॉलेजों के अकादमिक वातावरण में गति, ताज़गी और सामूहिक जिम्मेदारी की भावना के निर्माण के लिए **आकादमिक स्टॉफ कौंसिल** और **डिपार्टमेंट कौंसिल** को वैधानिक रूप दिया जाये।

14. एच.सी.टी.ए. के अनुरोध पर कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय द्वारा सेमेस्टर प्रणाली में सुधार के लिए करवाई महत्वपूर्ण वर्कशाप की कार्यवाही को सार्वजनिक किया जाये और उस प्रक्रिया को आगे बढ़ाया जाये।

हमें आशा है कि आप इन मांगों पर शीघ्र सकारात्मक कार्यवाही करेंगे।

सधन्यवाद।

भवदीय

(डॉ. रविन्द्र गासो)